an>

Title: Need for doubling and electrification of Delhi-Saharanpur railway line.

*m01

डॉ. सत्यपाल सिंह (बागपत) : आदरणीय सभापति महोदय, बोलने का समय देने के लिए आपका बहुत-बहुत आभार व्यक्त करता हूँ। मैं पहली बार संसद में आया हूँ। मेरा खाकी से खादी तक और मुंबई से बागपत तक का जो सफल सफर रहा, उसके लिए मैं भगवान का, पार्टी का और बागपत के अपने मतदाताओं का हार्दिक आभार व्यक्त करता हूँ।

महोदय, अपने क्षेत्र की एक गंभीर समस्या की ओर आपके माध्यम से सरकार का ध्यान आकर्षित करना चाहता हूँ। आपकी अध्यक्षता में हम लोग एक डेलिगेशन लेकर आदरणीय रेल मंत्री जी के पास गए थे। जो शाहदरा-सहारनपुर रेलवे लाइन है, अगर किसी को इस धरती पर चलता-फिरता नर्क देखना हो तो उसे उस ट्रेन में यात्रा करनी चाहिए। सन् 1907 से लेकर सन् 1970 तक यह छोटी गेज की लाइन रही। सन् 1970 से यह ब्रॉड गेज की लाइन बनी। लेकिन इसकी जो स्पीड है, यहां से 20 किलोमीटर पर खेकड़ा है या 50 किलोमीटर दूर बड़ौत है, दिल्ली आने के लिए दो-दो घंटे लगते हैं। इसकी स्पीड 23 किलोमीटर से ले कर 38 किलोमीटर प्रति घंटा है। जहां यह बात आश्चर्यजनक है, वहीं चिंता का विषय भी है। कहते हैं कि दीया तले अंधेरा होता है। दिल्ली के चारों तरफ इतना विकास हो गया, बागपत का क्षेत्र 15 किलोमीटर दूर से शुरू होता है, लेकिन विकास यहां से 1500 किलोमीटर दूर है। आपके माध्यम से मेरा सरकार से और विशेषकर रेल मंत्री जी से निवेदन है कि इस साल का जो बजट है, उसमें प्रावधान किया जाए कि इस रेलवे लाइन का दोहरीकरण और विद्युतिकरण किया जाए। हम बुलेट ट्रेन की मांग नहीं कर रहे हैं। हमारे माननीय रेल मंत्री व मैट्रो रेल कार्पोरेशन से आग्रह है कि कम से कम बड़ौत को मैट्रो से जोड़ा जाए और मोदीनगर को गाजियाबाद से मैट्रो से जोड़ा जाए। हम लोग बुलेट ट्रेन की मांग नहीं कर रहे हैं, हम बहुत ही जरूरी बेसिक चीज़ की मांग कर रहे हैं, केवल एक्सप्रैस ट्रेन की मांग कर रहे हैं। ताकि सहारनपुर तक जो लोग रहते हैं, उसमें कई जिले आते हैं, उन लोगों को राहत मिल सके। आपको यह बात अच्छी तरह से मालूम है कि मूलभूत सुविधाओं के अभाव में इस क्षेत्र के हज़ारों-लाखों लोग आ कर दिल्ली में बस गए हैं और दिल्ली में जनसंख्या का इतना दबाव बना कि दिल्ली की सरकार और केंद्र की सरकार को इतना पैसा खर्च करना पड़ा, उनके लिए पानी का प्रबंध, सीवर का प्रबंध, बिजली का प्रबंध करना पड़ता है। माननीय प्रधानमंत्री जी ने कहा है कि 100 स्मार्ट टाउन बनाए जाएं। अगर हम कम से कम बागपत और बड़ौत को स्मार्ट सिटी बनाएंगे, मूलभूत रेल व सड़क की सुविधा देंगे तो सबको बहुत फायदा होगा।